दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 01 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 333

भारत में फाइटर जेट इंजन बनाने का रास्ता साफ, यूएस संसद ने डील को दी मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अगले हफ्ते नई दिल्ली के दौरे पर आने से पहले अमेरिकी संसद ने भारत-अमेरिका फाइटर जेट इंजन डील को मंजूरी दे दी है। अब भारत में फाइटर जेट इंजन त्रश्च एफ-414 बनने का रास्ता साफ हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान ये समझौता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और जीई एयरोस्पेस के बीच हुआ था, जिसमें फाइटर जेट इंजन की अभूतपूर्व तकनीक हस्तांतरण, भारत में जेट इंजन का निर्माण और लाइसेंसिंग की व्यवस्था शामिल है।

अमेरिकी संसद बिल्डिंग 'कैपिटल हिल' के घटनाक्रम से परिचित एक व्यक्ति ने कहा, विधायी पक्ष से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस ने भारत के साथ जीई जेट इंजन सौदे को मंजूरी दे दी है। सदन को इस डील पर आगे बढ़ाने के जो बाइडेन प्रशासन के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है। इससे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ अमेरिकी कंपनी के समझौते के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिसमें अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले ही इस बिक्री को मंजूरी दे दी गई थी लेकिन अमेरिकी नियमानुसार, विदेश विभाग ने 28 जुलाई को सदन और सीनेट की विदेश संबंध समिति को इस डील के बारे में सूचित किया था। संसद से पास होने के बाद अगर इस अधिसूचना के 30 दिनों तक कोई कांग्रेसी प्रतिनिधि या सीनेटर आपत्ति नहीं करता है, तो इसे सहमति माना जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अगले हफ्ते होने वाले जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आ रहे हैं। माना जा रहा है कि बाइडेन की भारत यात्रा के दौरान, दोनों देशों द्वारा समझौते को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा करने की उम्मीद है। अमेरिकी संसद की प्रक्रिया की स्थिति की पुष्टि किए बिना, बाइडेन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मैं अमेरिकी बैठकों की कोई भी हलचल के बारे में बताना नहीं चाहता। हम इस ऐतिहासिक समझौते पर आगे बढ़ने में सक्षम होने के लिए दोनों पक्षों की ओर से आवश्यक कदम उठाने की दिशा में काम कर रहे हैं और डील पर आगे बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

उधर, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। विदेश विभाग ने कहा, हमें वाणिज्यिक रक्षा व्यापार लाइसेंसिंग गतिविधियों के विवरण पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से प्रतिबंधित किया गया है। बता दें कि 22 जून को, प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन डीसी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दिन, जहां व्यापक द्विपक्षीय वार्ता और राजकीय रात्रिभोज से पहले व्हाइट हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया गया, जीई एयरोस्पेस और एचएएल ने एफ-414 जेट इंजन का भारत में उत्पादन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ये इंजन भारत में निर्माणाधीन हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके2 के लिए निर्माण किए जाने हैं।

छत्तीसगढ़ के पेंशनर्स को बड़ी राहत, अब मिलेगा चार प्रतिशत बढ़ा महंगाई भत्ता

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की थी घोषणा
- छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के पेंशनर्स अधिकारी-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा दिया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग ने इसके लिए आज आदेश जारी कर दिया है।

सातवें वेतनमान में मूल पेंशन/परिवार पेंशन के लिए महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह लाभ इसी जुलाई महीने की पहली तारीख से मिलेगा। इस वृद्धि के पश्चात अब महंगाई राहत 42 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही छठवें वेतनमान के मूल पेंशन/ परिवार पेंशन पाने वाले पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में 9 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह लाभ भी इसी साल के जुलाई महीने की पहली तारीख से मिलेगा। इस वृद्धि के साथ ही महंगाई राहत में कुल वृद्धि 221 प्रतिशत हो गई है। उल्लेखनीय है कि पेंशनर्स की महंगाई राहत के संबंध में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों की स्वीकृति आवश्यक होती है। इस संबंध में स्वीकृति जल्द प्रदान करने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा था। इसके बाद जैसे ही स्वीकृति प्राप्त हुई। महंगाई राहत में वृद्धि का लाभ पेंशनर्स को प्रदान करने का अविलंब निर्णय लिया गया।

महत्वपूर्ण एवं खास

पांच मंजिला इमारत में आग लगने से 38 लोगों की मौत, दूर-दूर तक दिखाई दे रही थी लपटें

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सार्वजनिक प्रसारक एसएबीसी ने कहा कि जोहान्सबर्ग में एक पांच मंजिला इमारत में गुरुवार को भीषण आग लगने से कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक इमारत की निचली मंजिल पर विशाल नारंगी रंग की आग की लपटें दिखाई दे रही हैं, और कई लोग बाहर की ओर भागते हुए दिख रहे हैं। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता रॉबर्ट मुलौदज़ी ने कहा कि कई लोगों का इलाज किया जा रहा है और कुछ को स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में ले जाया गया है। एसएबीसी के अनुसार, आग लगने का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

घर में आग लगने से 15 लोगों की मौत, तीन घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने पाया काबू

मनीला। फिलीपींस के अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने कहा कि गुरुवार को मनीला में एक घर में आग लगने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। ब्यूरो ने कहा कि सुबह करीब 5.30 बजे लगी को दमकलकर्मियों ने लगभग तीन घंटे बाद काबू पाया। मृतकों में घरेलू सदस्य और कर्मचारी शामिल हैं। यह घर राजधानी क्षेत्र के क्वेज़ोन शहर में स्थित था।

रक्षाबंधन पर नहीं पहुंचा भाई, तो नाराज बहन ने खा लिया जहर

धनबाद (आरएनएस)। रक्षाबंधन पर राखी बंधवाने के लिए भाई के न पहुंचने से नाराज होकर एक महिला ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। घटना धनबाद जिले के टुंडी की है। यहां विवाहिता महिला ने धनबाद में रहने वाले अपने भाई राकेश महतो को रक्षा बंधन के मौके पर आने को कहा था। राकेश महतो ने अपनी जरूरी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए आने में असमर्थता जतायी। यह बात बहन को नागवार गुजरी और उसने घर में रखा कीटनाशक खा लिया। घर के लोगों ने उसे धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की स्थिति में सुधार है।

वेस्ट बैंक में विस्फोट, अधिकारी और तीन सैनिक घायल

रामल्ला। वेस्ट बैंक के नब्लस में हुए विस्फोट में इज़राइली रक्षा बल (आईडीएफ) के एक अधिकारी और तीन सैनिक घायल हो गए। यह जानकारी आईडीएफ ने टेलीग्राम पर एक बयान के माध्यम से दी। आईडीएफ ने कहा नब्लस शहर में जोसेफ के मकबरे में इजरायली नागरिकों का समन्वित प्रवेश सुरक्षित करने के दौरान हुए एक विस्फोटक में एक आईडीएफ अधिकारी और तीन सैनिक घायल हो गए। उन्हें चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए एक अस्पताल में भर्ती किया गया और उनके परिवारों को इस दुर्घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। अधिकारी और तीनों सैनिक मामूली और हल्के रूप से घायल हुए हैं। बयान में कहा गया कि यह विस्फोट तब हुआ जब सुरक्षाकर्मी मार्ग को सुरक्षित करने के लिए अभियान चला रहे थे और कहा कि जोसेफ के मकबरे तक इजरायली नागरिकों का समन्वित प्रवेश हमेशा की तरह जारी रखेगा। फिलिस्तीनी रेड क्रीसेंट ने एक बयान में कहा कि नब्लस में इजरायली बलों के साथ हुए संघर्ष में 39 फिलिस्तीनी घायल हो गए।

बीच रास्ते में कार रोक इसरो वैज्ञानिक पर हमला, पुलिस कर रही मामले की जांच

बेंगलूरू (आरएनएस)। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिक पर कथित तौर पर हमले का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है। मामला कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु का बताया जा रहा है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई है और आरोपी की तलाश जारी है। खास बात है कि 23 अगस्त को ही चांद पर चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इसरो को पूरे देश ने बधाइयां दी थीं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' की प्रोफाइल के अनुसार, आशीष लांबा इसरो में वैज्ञानिक हैं। उनके साथ यह घटना बेंगलुरु स्थित ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर निर्मित नए एचएएल अंडरपास के पास हुई है। उन्होंने इस पूरी घटना की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। खास बात है कि घटनास्थल से इसरो का दफ्तर कुछ ही दूरी पर था।

उन्होंने बताया, 'कल इसरो दफ्तर के पास नवनिर्मित ।[रु अंडरपास के पास एक व्यक्ति बगैर हेलमेट लगाए लापरवाही से स्कूटी चलाकर मेरे सामने आ गया और मुझे अचानक ब्रेक लगाने पड़े।' एक अन्य पोस्ट में लांबा ने जानकारी दी, 'वह हमारी कार के पास आया और लड़ाई करना शुरू कर दिया। उसने दो बार मेरी कार पर लात मारी।'

कैंसर मरीजों को बड़ी राहत

देशभर के 30 ईएसआईसी अस्पतालों में कीमोथेरेपी सेवाएं शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने देश भर में 30 ईएसआईसी अस्पतालों में कैंसर के उपचार के लिए कीमोथेरेपी शुरू की है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को यहां ईएसआईसी मुख्यालय में निगम की 191वीं बैठक के दौरान देश भर के 30 ईएसआईसी अस्पतालों में कीमोथेरेपी सेवाओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर यादव ने कहा कि यह अमृत काल में श्रम योगियों के सर्वांगीण कल्याण के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम है। इन-हाउस कीमोथेरेपी सेवाएं शुरू होने से बीमित कर्मचारी और उनके आश्रितों को कैंसर का बेहतर इलाज आसानी से मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने ईएसआईसी के डैशबोर्ड के साथ एक नियंत्रण कक्ष का भी उद्घाटन किया। डैशबोर्ड ईएसआईसी अस्पतालों में संसाधनों और बिस्तरों, चल रही निर्माण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति आदि की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करेगा।

यादव ने कहा कि निगम ने निर्णय लिया है कि ईएसआईसी अस्पतालों में कुशल चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ईएसआईसी चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपने काम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता का आकलन करने के बाद नए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब तक आठ मेडिकल कॉलेज, दो डेंटल कॉलेज, दो नर्सिंग कॉलेज और एक पैरा-मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं और चलाए जा रहे हैं।

बैठक में चल रही निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ चिकित्सा देखभाल सेवाओं, प्रशासन, वित्तीय मामलों में सुधार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया और निर्णय लिया गया।

बैठक में 15 नए ईएसआई अस्पताल, 78 ईएसआई डिस्पेंसरी स्थापित करने, ईएसआईसी अस्पताल, बेलटोला, असम, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, केके नगर, चेन्नई, तमिलनाडु और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में बिस्तरों की संख्या में वृद्धि को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

जम्मू-कश्मीर में 25 साल से अधिक समय से फरार आठ आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। सीआईडी इनपुट की सहायता से महीनों तक चुपचाप काम करने वाले जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के जासूसों ने 27-31 वर्षों के बाद टाडा मामलों में फरार आठ आतंकवादियों को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा, जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आज आठ फरार आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है जो आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियों के गंभीर अपराधों में शामिल थे। ये लगभग तीन दशक पहले डोडा, जम्मू और कश्मीर जिलों के विभिन्न थानों में दर्ज टाडा मामलों में शामिल थे। उनके खिलाफ जम्मू के टाडा कोर्ट में आरोप पत्र दायर किये गये थे।

पुलिस के अनुसार, ये फरार आतंकवादी दशकों तक भूमिगत रहकर और कुछ समय तक अज्ञात रहकर कानून के चंगुल से भागने में कामयाब रहे और फिर अपने मूल या कुछ दूर के स्थानों पर सामान्य पारिवारिक जीवन जीने के लिए फिर से सामने आए। पुलिस ने कहा कि इनमें से कुछ आतंकवादी भगोड़े सरकारी सेवाएं और अनुबंध प्राप्त करने में कामयाब रहे हैं, अन्य निजी व्यवसायों और यहां तक कि अदालत में काम करते हुए भी पाए गए।

पकड़े गए आठ भगोड़े आतंकवादियों में आदिल फारूक फरीदी, (वर्तमान में जेके बोस, जम्मू में तैनात सरकारी कर्मचारी), मोहम्मद इकबाल, मुजाहिद हुसैन उर्फ निसार अहमद, तारिक हुसैन, इश्तियाक अहमद देव उर्फ अजाज, अजाज अहमद उर्फ मोहम्मद, इकबाल, जमील अहमद उर्फ जुगनू उर्फ चिका खान और इशफाक अहमद (कोर्ट परिसर डोडा में राइटर के रूप में कार्यरत) शामिल हैं। पुलिस ने कहा, उपरोक्त भगोड़े आतंकवादियों के खिलाफ जारी वारंट के अनुपालन में उन्हें टाडा/पोटा अदालत जम्मू के समक्ष पेश किया जाएगा।

पुलिस ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शून्य आतंकवाद हासिल करने के अपने बड़े उद्देश्य और जनादेश के अनुसरण में एसआईए ने कानून के तहत मुकदमे का सामना करने के लिए आतंकवाद से संबंधित मामलों के सभी भगोड़ों का पता लगाने और संबंधित अदालत के समक्ष पेश करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है।

एसआईए ने अब तक 327 टाडा/पोटा मामलों में 734 भगोड़ों (जम्मू में 317 और कश्मीर में 417) में से 369 (215-जम्मू और 154-कश्मीर) भगोड़ों का सत्यापन और पहचान की है। सत्यापित 369 भगोड़ों में से 127 का पता नहीं चला, 80 की मौत हो चुकी है और 45 पाकिस्तान/पीओके या दूसरे देशों में रह रहे हैं और 4 जेल में बंद हैं।

ये भगोड़े आतंकवादी कानून से बचने और इतने लंबे समय तक पता लगाए बिना अपने मूल स्थान पर सामान्य जीवन जीने में कैसे कामयाब रहे और बड़ी आपराधिक साजिश और उसके सांठगांठ के अन्य पहलुओं और अंदरूनी सूत्रों की भूमिका की भी एसआईए द्वारा जांच की जाएगी।

मां की गोद से मासूम को उठाकर भाग रहा था युवक, पकड़े जाने पर बच्ची को पटककर मार दिया

शाहजहांपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रेलवे स्टेशन के बाहर मां की गोद से मासूम बच्ची को उठाकर एक युवक भागने लगा। बच्ची लेकर युवक को भागता देख वहां मौजूद लोगों ने उसका पीछा किया। पकड़े जाने के डर से चोर ने बच्ची को फर्श पर पटक दिया, जिससे बच्ची बुरी तरह से जख्मी हो गई। इसके बाद बच्ची की मां उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जीआरपी के एसएचओ रेहान ने बताया कि हरदोई के पिहानी निवासी वैशाली रेलवे स्टेशन पर थी। वह रेलवे परिसर के बाहर अपनी बच्ची के साथ थी। इसी दौरान एक युवक उनकी आठ माह की बेटी को उठाकर भागने लगा। उसकी मां ने शोर मचाया। अचानक पीछे दौड़ती भीड़ देखकर आरोपी ने बच्ची को पटक दिया। सिर के बल गिरने से बच्ची घायल हो गई। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। युवक को हिरासत में लिया गया है। बताया जाता है कि युवक कुछ सनकी टाइप का है। अभी इस मामले में पूछताछ हो रही है। इधर, बच्ची की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्ची की मां ने बताया कि वह लेटी हुई थी, तभी आरोपी युवक बच्ची को उठाकर भागने लगा। पीछा करने पर उसने बच्ची के पैर पकडक़र जमीन पर पटक दिया।

'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया', इस कहावत में है सदियों का सच - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

- साइंस और टेक्नालाजी के साथ जीवन में आध्यात्मिकता का भी समावेश हो तो जिंदगी होगी बेहतर
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के 'सकारात्मक परिवर्तन वर्ष - 2023' का किया शुभारंभ

रायपुर। जय जोहार, छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया। मुझे छत्तीसगढ़ की धरती पर आप सबसे मिलने का अवसर मिला। मेरी इच्छा आज पूरी हुई। एक कहावत है छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, ऐसी कहावतों के माध्यम से सदियों से चल रहे सत्य को मात्र शब्दों में कह दिया जाता है। यह बात आज यहां रायपुर के शांति सरोवर स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के वार्षिक परियोजना सकारात्मक परिवर्तन वर्ष 2023 के शुभारंभ समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कही।

राष्ट्रपति ने कहा कि साइंस और टेक्नालाजी के साथ ही जीवन में आध्यात्मिकता का भी समावेश हो तो जीवन आनंद से भर जाता है। हमारी नई पीढ़ी बहुत प्रतिभाशाली है। कभी-कभी धैर्य की कमी होने की वजह से वे निराश हो जाते हैं। उन्हें बताना है कि अपनी रुचि के क्षेत्र में धैर्य और पूरे आत्मविश्वास के साथ कड़ी मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलती है। ब्रह्मकुमारी परिवार हमेशा से इसके लिए प्रयास कर रहा है ताकि हम बेहतर समझ के साथ विपरीत परिस्थितियों का सामना कर सकें।

राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्मकुमारी परिवार बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। मैं इसके लिए बधाई देती हूँ। सकारात्मक परिवर्तन को लेकर ओडिशा में यह कार्यक्रम शुरू हुआ है और मैं आज यहाँ आप सभी के बीच में भी हूँ। मैं यहाँ पहले ही आ चुकी हूँ। फिर से बुलाने के लिए आप सभी को धन्यवाद देती हूँ।

उन्होंने कहा कि एक ओर हमारा देश नित-नई ऊंचाइयों को छू रहा है, चांद पर तिरंगा लहरा रहा है और विश्वस्तरीय खेलों में कीर्तिमान रच रहा है। हमारे देशवासी अनेक नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर एक अत्यंत गम्भीर विषय है कुछ दिन पहले नीट की तैयारी कर रहे दो विद्यार्थियों ने अपने जीवन, अपने सपनों, अपने भविष्य का अंत कर दिया। ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए बल्कि हमें प्रतिस्पर्धा को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। हार-जीत तो होती रहती है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों पर कांपिटिशन का प्रेशर है लेकिन जितना जरूरी उनका करियर है। उतना ही जरूरी है कि वे जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें। पाजिटिव थीम की सहायता से हम उन बच्चों की मदद कर सकते हैं जो बच्चे ऐसे मोड़ पर निराश हो जाते हैं।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अध्यात्म से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किये। उन्होंने कहा कि मेरी आध्यात्मिक यात्रा में भी ब्रह्मकुमारी संस्था ने मेरा बहुत साथ दिया है। जब मेरे जीवन में कठिनाई थी तब मैं उनके पास जाती थी। ब्रह्मकुमारी का रास्ता मुझे बहुत अच्छा लगा। आप सहजता से काम करते हुए आप अपनी जिंदगी को बेहतर तरीके से जी सकते हैं। जिंदगी जीने की कला वो सिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि हम आज सभी टेक्नालाजी के युग में जी रहे हैं। बच्चे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बात कर रहे हैं लेकिन यह भी जरूरी है कि दिन का कुछ समय मोबाइल से दूर रहकर बिताएं।

अपने संबोधन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि सकारात्मक परिवर्तन का मतलब ऐसे परिवर्तन से है जिसका लाभ व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र को हो। जब कोई समाज सकारात्मक बदलाव को अपनाता है तब वह और अधिक मजबूत हो जाता है। हम सभी जानते हैं कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जो रूढ़िवादी और परंपरावादी समाज अपनी मान्यताओं और परंपराओं को बदलना नहीं चाहता वह मुख्यधारा से कट जाता है। समय और आवश्यकता के अनुसार समाज में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। जब तूफान चलता है तो वही पेड़ सुरक्षित रहता है जो झुकना जानता है। इसलिए हमें परिस्थितियों के अनुसार ढलना चाहिए। आपकी संस्था आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के कार्य में सकारात्मक भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि राष्ट्रपति जी का आगमन छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए बहुत गौरव का क्षण है। उनकी इस यात्रा के लिए मैं छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ नागरिकों की ओर से उन्हें बहुत धन्यवाद देता हूं। आज राष्ट्रपति के रूप में पूरे देश की मुखिया के आगमन से हम छत्तीसगढ़ के लोग विशेष आत्मीयता का अनुभव कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कोई अपना, अपने ही घर आया है। यह प्रदेश एक आदिवासी प्रदेश है, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग बहुत बड़ी संख्या में यहां निवास करते हैं। सभी वंचितों को न्याय मिले, यह संविधान की भावना है। छत्तीसगढ़ प्रदेश की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का आध्यात्मिक मार्गदर्शन हमें मिलता रहा है।